

अपहरण की वारदात का पर्दाफाश, अपहृत चार जनों को सकुशल छुड़ाया

चार आरोपी गिरफ्तार, अपहरण में प्रयुक्त कैपर गाड़ी व स्कॉर्पियो कार जब्त की

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपहरण की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए अपहरण करने के मामले में अपहृत चार जनों को सकुशल छुड़ाया एवं अपहरण करने के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे अपहरण में प्रयुक्त कैपर व स्कॉर्पियो कार को भी जब्त किया है।

बरोनी थानाधिकारी कुमुम ने बताया कि सात अप्रैल को रात को सूचना मिली थी कि गांव बोरखण्डी खुर्द में स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास से बोलेरो कैपर में सवार अज्ञात बदमाशों ने एक कार सहित चार जनों का अपहरण कर लिया है। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव व डीवाईएसपी रामअवतार के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने तकनीकी सहायता व नाकाबन्दी के जरिए आरोपियों का पीछा किया। टीमों ने अजमेर जिले के



बरोनी पुलिस ने अपहरण करने के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रूपनगढ़ थाने के पास आरोपियों को घेरकर उन्हें डिटेन किया। मौके से अपहृत राहुल योगी, ताराचंद बावरिया, कमल मीणा व रोहीताश बावरिया चारों अपहृत व्यक्तियों को सकुशल मुक्त किया। पुलिस ने

आरोपियों के कब्जे से अपहरण में प्रयुक्त कैपर व स्कॉर्पियो कार को भी जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी भगवान सिंह, मानसिंह, विक्रम सिंह व तेजमल को गिरफ्तार किया है। आरोपी कछुआ उल्लू गैंग के सदस्य हैं। गैंग में शामिल ताराचंद बावरिया गैंग का मुख्य सरगना है, जिसके खिलाफ राजस्थान के विभिन्न जिलों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह गैंग कछुआ और उल्लू की तस्करी के

सदस्य हैं। गैंग में शामिल ताराचंद बावरिया गैंग का मुख्य सरगना है, जिसके खिलाफ राजस्थान के विभिन्न जिलों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह गैंग कछुआ और उल्लू की तस्करी के

■ आरोपी कछुआ उल्लू गैंग के सदस्य हैं, गैंग में शामिल ताराचंद बावरिया गैंग का मुख्य सरगना है

अलावा टीवी के लगने वाली मर्करी चिप को लाखों रुपये में बेचने के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करती है। बरोनी पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। जिससे अन्य नेटवर्क का पता लगाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में बरोनी थाना टीम के साथ डीएसटी टॉक, रूपनगढ़ व ब्यावर सदर पुलिस का विशेष सहयोग रहा। टीम में आरपीएस प्रो. कुमुम, डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश, शंकरलाल जाट, रामसहाय, शरीक, राजेन्द्र, प्रधान, रामप्रसाद, भगवानसहाय, रमेशचन्द, खिंयाराम, गोरधन, जीतराम व बनवारीलाल शामिल रहे।

आवारा कुत्तों ने 25 बकरियों पर हमला किया, मौत

ब्रीकानेर, (निसं)। गजनेर थाना स्थित सूरजड़ा रोही क्षेत्र में आवारा कुत्तों (श्वानों) के झुंड ने एक पशु बाड़े में सुसकर 20 से 25 बकरियों को मार दिया, जबकि करीब सात बकरियों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस घटना से पशुपालकों में भय और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार सूरजड़ा रोही निवासी लिखनाराम मेघवाल के पशु बाड़े में देर रात अचानक आवारा कुत्तों का झुंड घुस आया। कुत्तों ने बकरियों पर हमला कर दिया, जिससे मौके पर ही बड़ी संख्या में बकरियों की मौत हो गई। सुबह जब पशुपालक बाड़े में पहुंचे तो मरे हुए पशुओं को देखकर उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही गजनेर थाना पुलिस और पशु चिकित्सक की टीम मौके के लिए रवाना हो गई। पशु चिकित्सकों ने घायल बकरियों का उपचार किया, जबकि पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर आवश्यक कार्रवाई की। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस हमले से पशुपालक को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ये कुत्ते न केवल पशुओं के लिए, बल्कि लोगों के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। कई बार बच्चों और राहगीरों पर भी हमले की घटनाओं सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन और नगर निगम से आवारा कुत्तों को पकड़ने तथा उनके स्थायी समाधान की मांग की है।

चोरी के तीन आरोपियों को दो-दो साल की सजा सुनाई

नोखा, (निसं)। 12 साल पुराने चोरी के एक मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल महेंद्रा ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तीनों आरोपियों सुनील कुमार, मूलचंद और सुभाष को दोषी करार देते हुए दो-दो साल के कारावास और छह-छह हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें एक-एक महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

यह मामला 30 जनवरी 2014 का है, जब परिवार डीयूरोल्टा ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि रात में घर बंद कर रहे थे स्टेशन जाने के बाद जब वे करीब 12:15 बजे वापस लौटे, तो घर के ताले टूटे हुए थे। कमरे, अलमारी और सन्दूक के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर, लगभग 10 हजार रूपए नकद,

साड़ियां और अन्य सामान चोरी कर लिया गया था। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों सुनील कुमार, मूलचंद और सुभाष को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान डूडी स्ट्रेडियम के पीछे एक गुहे में छिपाया हुआ बरामद किया गया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चोरी की घटना पूरी तरह से साबित होती है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के सामान की बरामदगी एक महत्वपूर्ण साक्ष्य है। भले ही घटना का कोई चरमदीद गवाह नहीं था, लेकिन परिस्थितिजन्य साक्ष्य मजबूत थे। बरामदगी ऐसी जगह से हुई थी, जिसकी जानकारी केवल आरोपियों को ही थी, जिससे उनका अपराध प्रमाणित होता है।

फेसबुक पर सौदे के जाल में फंसा व्यापारी, 7.15 लाख की ठगी के बाद अपहरण

■ सीसीटीवी खंगालने पहुंची पुलिस की नजरों के सामने आए आरोपी, घेराबंदी कर पकड़ा

चिड़वा/झुंझुनू, (निसं)। सोशल मीडिया पर सस्ते सोने का झांसा देकर गुजरात के एक व्यापारी को जाल में फंसा और फिर अपहरण कर लाओं की ठगी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चिड़वा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार घटना में सूरत निवासी सोना व्यापारी मेहुल से 7 लाख 15 हजार रूपए ठग लिए गए।

आरोपियों ने पहले फेसबुक पर सोना बेचने का विज्ञापन डालकर भरोसा जीता, फिर सुनसान जगह पर ले जाकर उसे बंधक बना लिया और जान से मारने की धमकी देकर पैसे ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित मेहुल ने बताया कि फेसबुक पर 60 ग्राम सोना 7 लाख रूपए में बेचने का विज्ञापन देखकर उसने संपर्क किया। आरोपी रजनीश डारा ने

खुद को किशोरपुरा निवासी बताते हुए भरोसा दिलाया कि सोना लोन कंपनी में गिरवी है। विश्वास में आकर मेहुल ने 7 अप्रैल को आर्टीजीएस के जरिए 6 लाख 78 हजार रूपए ट्रांसफर कर दिए। चेक देने के बहाने आरोपी मेहुल को किशोरपुरा रोड स्थित एक सुनसान खंडहर में ले गए, जहां पहले से मौजूद पांच हथियारबंद बदमाशों ने उसे घेर

लिया। मोबाइल छीनकर जान से मारने की धमकी दी गई और फोन-पे के जरिए 37 हजार रूपए और ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद बदमाश उसे बिना नंबर की बोलेरो कैपर में डालकर कच्चे रास्तों से ले गए और धीमा गांव के पास टोल बूथ पर छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित किसी तरह चिड़वा पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। गुरुवार को पुलिस जब एसबीआई बैंक के पास सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी, तभी आरोपी अचानक सामने

आ गए। पीड़ित ने पहचान की तो आरोपी भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाश पहले एक मकान और फिर पास के अस्पताल में घुस गए, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। थानाधिकारी कैलाश चंद्र ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे गिरावों को तलाश की जा रही है। शुरुआती जांच में संगठित ठगी गिरावों के संकेत मिले हैं, जो सोशल मीडिया के जरिए लोगों को निशाना बनाता है।

पाली में दो बेटे और मां के शव बंद कमरे में मिले

दो दिन से मकान बंद था, पड़ोसियों को बदबू आने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची

पाली, (निसं)। पाली के हाउसिंग बोर्ड के निकट आशापूर्णा टाउनशिप में गुरुवार को एक बंद मकान में दो बेटे और एक मां के शव मिले हैं। दो दिन से मकान बंद था। पड़ोसियों को बदबू आने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, गेट तोड़कर अंदर पहुंचे तो वहां पर तीन शव जमीन पर पड़े थे। घटना की जानकारी मिलते ही मकान के बाहर भीड़ लग गई और मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है।

मामला औद्योगिक क्षेत्र खाने का है। मौके पर एफएसएल सीएमओबी टीम बुलाई गई। मृतकों को पहचान शक्ति देवी (65), नरपत सिंह (34) और रघुवीर सिंह (26) के रूप में हुई। मां-बेटों की मौत का अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ। मौत से पहले तीनों

■ मां-बेटों की मौत का अभी तक कोई खुलासा नहीं हुआ, पुलिस को मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है

ने अपनी रिश्तेदारों को आधार कार्ड पर फोटो भेजे थे। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और आसपास पूछताछ कर रही है।

डीएसपी सिटी मदन सिंह ने बताया कि शाम पांच बजे सूचना मिली की रिश्तेदार फोन नहीं उठा रहे और मकान का गेट बंद है। पुलिस मौके पर पहुंची तो तीनों की बाँधी करीब पर थी और सुसाइड नोट और मोबाइल मिले। तीनों

के शव बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखे। भाई लक्ष्मण ने बताया कि मुझे 8 अप्रैल को सुबह 10:43 पर फोन आया था। अस्पताल ले जाने को कहा गया। रात में यहाँ किसी को भेजा तो गेट बंद था। दरवाजा भी बजाया। रात्रि में फिर फोन किया।

गुरुवार को सुबह 11 बजे तक फोन किया, किसी ने रिस्वी नहीं किया। यहाँ पहुंचा तो घर के बाहर बाइक खड़ी थी। लक्ष्मण ने बताया कि मौसी शांति देवी की एक बेटो भी है जो ससुराल में रहती है और यहाँ अक्सर नहीं आती है। नरपत को कोई बीमारी थी। इसलिए उसने काम पर जाना बंद कर दिया था। दोनों भाइयों की शादी नहीं हुई थी, मौसी शांति देवी को अपने लड़कों की शादी की चिंता थी।

श्रीगंगानगर में युवक व युवती के शव नहर में मिले

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के घमूड़वाली थाना क्षेत्र में जीवनदेसर के पास नहर में युवक-युवती के शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों के शव एक दूसरे से बंधे हुए थे। प्रारंभिक जांच में दोनों के बीच चल रहे प्रेम प्रसंग को ही इस घटना का कारण बताया जा रहा है।

मृतकों को पहचान विक्रम (25) और निकिता (25) के रूप में हुई है। दोनों पंजाब के बरोका (अबोहर) के रहने वाले हैं। दोनों शादीशुदा हैं और 29 मार्च को घर से लापता हो गए थे। बुधवार शाम को उनके शव जीवनदेसर के पास स्थित नहर में बहते हुए मिले। पुलिस के अनुसार बुधवार शाम को ग्रामीणों ने सूचना दी कि नहर में एक युवक और युवती का शव पानी के साथ बहकर आ रहा है। सूचना मिलते ही घमूड़वाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को नहर से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भिजवाया। शवों के पास से बरामद हुए मोबाइल की सिम से पहचान हुई। शवों की शिनाखा होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। गुरुवार को विक्रम के

■ दोनों के शव एक दूसरे से बंधे हुए थे, प्रारंभिक जांच में दोनों में प्रेम प्रसंग को घटना का कारण बताया जा रहा है

पिता पालाराम समेत दोनों परिवार के सदस्य घमूड़वाली थाना पहुंचे और शवों की पहचान की। परिवार वालों ने बताया कि दोनों 29 मार्च को घर से निकल गए थे, जिसके बाद से पूरे परिवार उनकी तलाश में जुटे हुए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि निकिता और विक्रम के बीच प्रेम संबंध थे। परिवार की सहमति न मिलने के कारण दोनों घर छोड़कर चले गए और सुसाइड कर लिया। मोबाइल पानी में धींग जाने के बावजूद सिम से महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिससे पहचान आसान हुई। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारण की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस दोनों परिवारों से पूछताछ कर आगे की जांच कर रही है।

बाइक सवार युवक से एमडी ड्रग जब्त

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट शिकारगढ़ स्थित नाका नंबर 10 पर पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवार को रूकवाया। उसके पास तलाशी लिए जाने पर पास में 20 ग्राम एमडी ड्रग मिली। इस पर उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। अब मामले में जांच रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत की तरफ से की जा रही है।

मामला एयरपोर्ट थाना क्षेत्र का है। थानाधिकारी संतोष चौधरी ने बताया कि पुलिस की तरफ से बुधवार को वाहनों की विशेष चेंकिंग की जा रही थी। तब शिकारगढ़ नाका नंबर 10 पर एक संदिग्ध बाइक सवार को रूकवा कर उसकी तलाशी ली। युवक के पास में बीस ग्राम एमडी ड्रग मिली। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पता गोदारां की ढांपियां जालेली फौजदार निवासी रवि पुत्र बोरखराम होना बताया। इस पर उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया। वह ड्रग कब और कहाँ से लाया। इसका पता लगाया जा रहा है। जांच रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत की तरफ से की जा रही है।

सूने घर में चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेंट में सक्रिय नकबजनों ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 15 में एक सूने मकान में सैध लगाकर 7.5 हजार की नगदी के साथ सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। इस बारे में अब पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया है। चौहाबो पुलिस ने बताया कि सेक्टर 15/106 निवासी विक्रम कुमार पुत्र लक्ष्मण गहलौत ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि एक अप्रैल की रात को अज्ञात चोर उसके घर में घुसे और वहां अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर 60-70 हजार की नगदी के साथ सोने और चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया।

युवक ने आत्महत्या की

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के नानुवाली बावड़ी में गुरुवार को एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के बाद प्रशासन ने आक्रोश पनप गया तथा थाने पर प्रदर्शन कर अपहरण के मामले में जेल में बंद मृतक के पिता व भाई को छुड़ाने की मांग की। इस दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि उनको रिहा नहीं किया गया, तब तक मृतक का पोस्टमार्टम नहीं करवाया जाएगा।

थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि विकासनगर तन नानुवाली बावड़ी निवासी जीवनगर्भ ने रिपोर्ट दी कि 8 अप्रैल को करीब तीन बजे कोर्ट परिसर में खरखड़ा निवासी सुरेश कुमार सैनी ने उसे व उसके पोते दीपेश कुमार सैनी पुत्र अशोक कुमार को धमकी दी कि तैरे परिवार के दो व्यक्तियों को जेल में डलवा दिया तथा आपको रात के समय जान से खत्म कर दिया जाएगा। इस दौरान उसने दीपेश की बहन को उठवाने की बात भी कही। इस दौरान भय से दीपेश कुमार पुत्र अशोक कुमार ने अपने कमरे में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जब सुबह

वह कमरे से बाहर नहीं निकाला तो परिजनों ने कमरा खोलने का प्रयास किया। इस दौरान दरवाजा तोड़कर देखा तो वह पंखे से फांसी लगाकर लटक हुआ था। घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। दीपेश के सुसाइड करने की सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण थाने में एकत्रित हो गए।

इस दौरान उन्होंने अपहरण के मामले में जेल में बंद मुक्तक के पिता अशोक कुमार व भाई ओमवीर को छोड़ने की मांग की। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि जेल में बंद दोनों को नहीं छोड़ने तक शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया जाएगा। मृतक दीपेश तीन बहन भाइयों में सबसे छोटा था। वह वेटनरी का कोर्स कर रहा था। पिता अशोक कुमार व बड़ा भाई ओमवीर मजदूरी करते हैं। थानाधिकारी ने बताया कि युवक के सुसाइड करने को लेकर मृतक के दादा की ओर से रिपोर्ट दी गई है, जिसको दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम के लिए ग्रामीणों से समझाइश की जा रही है।

अजमेर : बेटी की मौत के बाद न्याय नहीं मिलने से पिता ने आत्मदाह का प्रयास किया

पिता ने अजमेर जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एसपी कार्यालय के बाहर आत्मदाह का प्रयास कर डाला

अजमेर, (कासं)। अपनी बेटी को खोने के दर्द और न्याय न मिलने की पीड़ा ने एक पिता को इस कदर तोड़ दिया कि उसने गुरुवार दोपहर जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय के बाहर आत्मदाह का प्रयास कर डाला। यह दृश्य इतना मार्मिक था कि मौके पर मौजूद हर शख्स सन्न रह गया। युवक ने अपने ऊपर डीजल छिड़क लिया और माचिस जलाने ही वाला था कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसके हाथ से माचिस छीन ली। कुछ ही पलों की देरी

■ युवक ने अपने ऊपर डीजल छिड़क लिया और माचिस जलाने ही वाला था कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और लोगों ने उसके हाथ से माचिस छीन ली

एक और बड़ी त्रासदी में बदल सकती थी, लेकिन लोगों की सजगता ने एक जिंदगी बचा ली। जानकारी के अनुसार पीड़ित पिता पिछले कई महीनों से अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए दर-दर भटक रहा था। उसका आरोप है कि उसकी बेटी के साथ एक युवक लगातार गलत व्यवहार कर

उसे प्रताड़ित करता रहा था। इस संबंध में उसने अजमेर के अलवरगेट थाने में शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आश्वासन ही मिले। दर्दनाक मौजूद तब आया जब लगातार मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर उसकी बेटी ने नवंबर माह में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। बेटी की मौत

के बाद पिता की उम्मीद थी कि दोषियों को खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह अलवरगेट थाने से लेकर पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय तक चक्कर काटता रहा, लेकिन हर बार उसे निराशा ही हाथ लगी। इसी बेबसी और आक्रोश के ताले तोड़कर उन्होंने कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना प्रभारी शंभू सिंह पुलिस जाबों के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को समझाइश कर थाने ले जाया गया। अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मजदूरों से भरी कैपर पलटी, नौ जने घायल

जोधपुर, (कासं)। मथानिया बाईपास की ओर जा रही मजदूरों से भरी कैपर गुरुवार सुबह जोधपुर से आशापुरा धरमकांटा के पास पलट गई। वाहन का टायर फटने से यह हादसा हुआ, जिसमें नौ मजदूर घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कैपर दो बार पलटी खा गई। इससे वाहन में सवार कई लोग गंभीर रूप से चोटिल हो गए। जानकारी के अनुसार कैपर में क्षमता से अधिक सवारियां थी और वह तेज रफ्तार में थी। टायर फटने के बाद चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। सभी घायल मजदूरों को हॉस्पिटल ले जाया गया।

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
E-Mail : nagarpalika@baran@gmail.com स्टेसन रोड, बारां Phone : 07453-230106
क्रमांक : नयाप/निगमो/2026/272-74 दिनांक : 07.04.2026

ई-टेंडर सूचना संख्या : निर्माण 07/2026-27
नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अधिकाधिकारिक विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफआर क्लस के अन्तर्गत पात्र संवेदको से संबंधित, रखरखाव कार्य के लिये निम्नलिखित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व <http://proc.rajasthan.gov.in> पर देखें। कार्य की लागत 40.00 लाख रुपये है तथा UBN No. DLB2627LSOB00717 है।
राज.संवाद/सी/26/550 आयुक्त नगर परिषद बारां

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक - जो.वि.प्र./परिषद/2025-26/रखरखाव/21461260 दिनांक - 07/04/2026
ई-बिड सूचना संख्या :- जौज परिषद/01/2026-27
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उच्चव्यय श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल इंजीनियरी कार्य हेतु मुहुरबंद बिड आमन्त्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट <http://www.eproc.rajasthan.gov.in>, www.joda.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code: JOD2627A0006
UBN No: JOD2627WSOB00013, JOD2627WSOB00014
राज.संवाद/सी/26/557 अतिरिक्त अधिकृत (परिषद)

RajCOMP Info Services Limited (RISL)			
RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है :-			
NIB No./Date/Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost/EMD	Start of sale / Last date
RIS2627A0003/08.04.2026	RFP for Upgradation (replacement/upgrade) and	Rs. 46.38 Cr.	08.04.2026/30.04.2026
RIS2627GLOB00003	Procurement of Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) & FMS of WS&APS Phase 1 Project in State of Rajasthan for 5 Years based on Open Competitive Bidding through e-Procurement/ e-Tender.		

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाइट पर सम्पर्क करें - <http://risl.rajasthan.gov.in>, <http://sppp.rajasthan.gov.in>, <http://doitc.rajasthan.gov.in> and <http://eproc.rajasthan.gov.in>
राज.संवाद/सी/26/577 Additional Director